मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 108, मुंबई, शुक्रवार, 26 जून, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से...

83 लोगों की मौत

कई घायल, भारी बारिश का अलर्ट

आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान से हुई भारी तबाही

संवाददाता

पटना। बिहार में गुरुवार को आकाशीय बिजली गिरने और आंधी-तूफान से भारी तबाही हुई। बिजली गिरने से बिहार में 83 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग झुलस गए। उत्तर प्रदेश में भी बिजली गिरने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई। बिहार के 23 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से मानवीय क्षति हुई है। सबसे ज्यादा मौत गोपालगंज में हुई जहां पर 13 लोग मारे गए। जबकि मधुबनी और नबादा में 8-8 लोग मारे गए। इस घटना को लेकर पीएम मोदी ने भी अपनी संवेदना जाहिर की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में 28 जून से खुल सकते हैं सैलून और जिम, शेविंग की नहीं होगी परमिशन

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

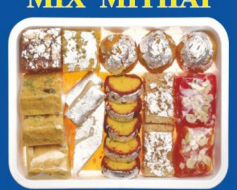

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

एक और SUICIDE

16 साल की टिकटॉक स्टार सिया कक्कड़ ने किया खुदकुशी

मैनेजर ने दी जानकारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने कुछ दिनों पहले फांसी लगाकर सुसाइड कर ली। इस खबर से उनके फैन्स को गहरा सदमा पहुंचा। अभी इस बात को ज्यादा दिन बीते ही नहीं कि सुसाइड का एक और नया मामला सामने आ गया। 16 साल की सोशल मीडिया स्टार सिया कक्कड़ ने सुसाइड कर लिया है। सिया सोशल मीडिया पर पॉपुलर सेलिब्रिटी थीं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

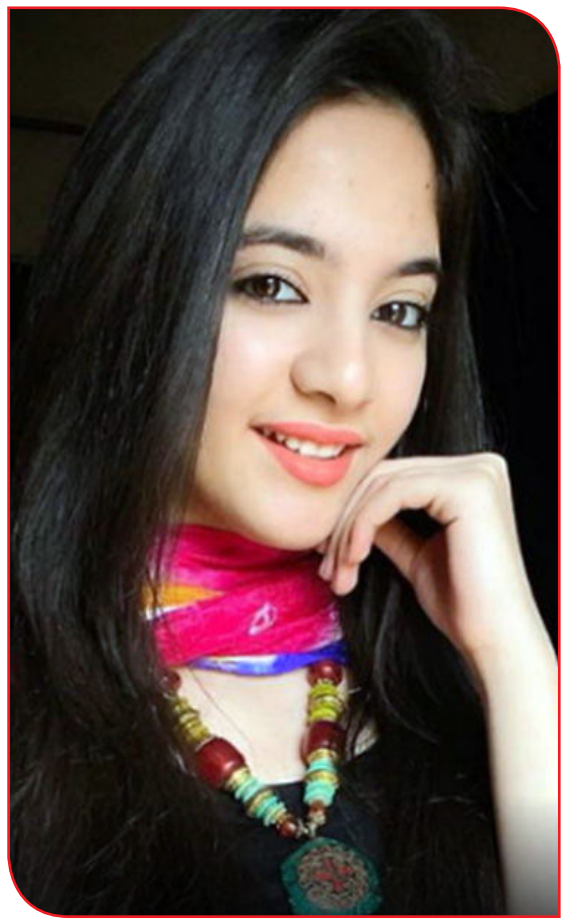

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

डीजल का महंगा होना

पेट्रोल, डीजल की कीमतों का निरंतर 18 दिनों से बढ़ते जाना जितना ध्यान खींच रहा था, उससे कहीं ज्यादा डीजल की कीमत ने चौंका दिया। दिल्ली क्षेत्र में डीजल अब पेट्रोल से लगभग 12 पैसे महंगा हो गया है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स का असमान होना है। देश में आमतौर पर पेट्रोल अभी भी डीजल से महंगा है, लेकिन दिल्ली में डीजल पर अधिक टैक्स होने के कारण उसकी कीमत पेट्रोल से आगे निकल गई है। तत्काल पहल करनी चाहिए, ताकि डीजल और पेट्रोल के बीच अंतर बना रहे। हमें यह ध्यान रखना होगा कि किसी समय डीजल और पेट्रोल के बीच 20 से 30 रुपये का भी अंतर हुआ करता था। यह अंतर इसलिए था, क्योंकि डीजल का उपयोग आमतौर पर सिंचाई, सवारी या माल ढोने वाले भारी वाहनों में होता है। डीजल की कीमतों को सरकारें संभालती थीं, क्योंकि डीजल की कीमत बढ़ने का सीधा असर किसानों व महंगाई पर पड़ता था। इन दो ईंधनों के बीच अंतर बने रहने में ही अर्थव्यवस्था की भलाई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि जो निजी यात्री वाहन डीजल से चलते हैं, उनकी कीमत भी पेट्रोल वाले वाहनों से कहीं अधिक होती है, इसलिए भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों का समान हो जाना अपनी ही परिवहन या वाहन नीति के विरुद्ध है। यह भी सोच लेना चाहिए कि दिल्ली में ज्यादा कीमत रखने से ग्राहक उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं, इससे दिल्ली को ही राजस्व का नुकसान उठाना पड़ेगा। दिल्ली और पड़ोसी उत्तर प्रदेश के बीच आठ रुपये का अंतर है। अतः जहां यह प्रयास करना चाहिए कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों के बीच तार्किक अंतर रहे, वहीं यह भी देखना होगा कि राज्यवार कीमतों में ज्यादा अंतर नहीं हो। भारत को पूरी एक आर्थिक इकाई के रूप में ही देखते हुए चलना चाहिए। उद्योग जगत में 10 और 20 पैसे का भी बड़ा महत्व होता है, अतः राज्यवार कीमतों में अंतर 50 पैसे या एक रुपये से ज्यादा रखना ठीक नहीं है। लोगों को सरकारों का कर-नियोजन समझ में नहीं आता, लेकिन वह यह देखकर परेशान जरूर होते हैं कि दिल्ली में पेट्रोल 79.76 रुपये, तो मुंबई में 86.54 रुपये प्रति लीटर कैसे है? तेल कंपनियों की ओर भी सरकार की निगाह जानी चाहिए। 82 दिनों तक कीमतों को स्थिर रखने के बाद ये कंपनियां 7 जून से लगातार कीमतों को बढ़ाती चली जा रही हैं और अभी आने वाले दिनों में कीमतें बढ़ने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में उछाल शुरू हो चुका है। सोचना होगा, मात्र 18 दिन में ईंधन की कीमतों में करीब 10 रुपये की बढ़त सुधार की बाट जोहती अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जो सब्सिडी उद्योग जगत को कोरोना काल में दी जा रही है, कहीं ऐसा न हो कि पेट्रोल और डीजल के जरिए आर्थिक मदद का एक बड़ा हिस्सा लोगों से छिन जाए। कोरोना के समय में सरकार के लिए राजस्व जरूरी है, लेकिन वह तर्कपूर्ण होना चाहिए। तेल कंपनियों को लागत के हिसाब से कीमत तय करने की ताकत दी गई है, लेकिन कीमतें यूं लगातार भी न बढ़ें कि रोजमर्रा का बजट ही बिगड़ने लगे। तेल कपंनियों को ध्यान रखना चाहिए कि मुनाफे में तेल बेचना ही उनका काम नहीं है। उन्हें देश की अर्थव्यवस्था की स्थिरता व मजबूती के बारे में भी सोचना होगा।

चीन का नया मोहरा बनता बांग्लादेश

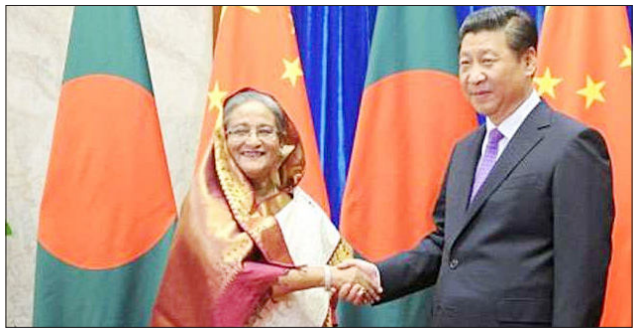

दक्षिण एशिया वर्तमान में शक्ति प्रदर्शन, सौदेबाजी और गुटबंदी के दौर से गुजर रहा है। इसी क्रम में चीन ने हाल ही में बांग्लादेश को व्यापारिक प्रलोभनों से लुभाने की कोशिश की है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रलय ने हाल ही में घोषणा की है कि मत्स्य संसाधन और लेदर उत्पादों जैसे अन्य 97 प्रतिशत बांग्लादेशी उत्पादों पर चीन द्वारा कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इसका मतलब हुआ कि 97 प्रतिशत बांग्लादेशी निर्यात को चीन द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से छूट मिलेगी। इसे ढाका और बीजिंग के संबंधों में बड़ी सफलता माना जा रहा है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने भी साफ कर दिया है कि इस समझौते का विरोध करने वाले और इसे अल्प विकसित बांग्लादेश के लिए खैरात जैसी शब्दावली प्रयुक्त करने वाले संकीर्ण मानसिकता के हैं।

इस बात से भी इन्कार नहीं किया जा सकता कि चीन लद्दाख जैसे अन्य मुद्दों पर बांग्लादेश को अपने साथ खड़ा करना चाहता है। यहां यह गौर करने वाली बात है कि चीन दक्षिण एशिया में भारत के पड़ोसी देशों को ऐसे लुभावने व्यापारिक प्रस्ताव देकर भारत के साथ एक अप्रत्यक्ष और अघोषित व्यापारिक युद्ध में लगे रहना चाहता है। ऐसे समय में जब भारत के जनमानस के साथ-साथ आर्थिक व सामरिक विशेषज्ञों ने भारत को चीनी उत्पादों के आर्थिक बहिष्कार का सुझाव दिया है, ऐसे में दक्षिण एशिया में एक आर्थिक बढ़त लेने और उससे भी बड़ी बात दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण के प्रयासों विशेषकर दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार समझौते (साफ्टा) को असफल बनाने की मंशा के साथ चीन व्यक्तिगत स्तर पर दक्षिण एशिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते की राह पर चलना चाहता है। इसलिए पाकिस्तान और मालदीव के बाद अब बांग्लादेश के तीसरे ऐसे दक्षिण एशियाई देश बनने की संभावना को खारिज नहीं किया जा सकता जिसके साथ चीन मुक्त व्यापार समझौते की राह पर चल पड़ा है। यहां ध्यान देने वाली बात यह भी है कि भारत 2011 से ही साफ्टा के तहत बांग्लादेशी उत्पादों को (केवल तंबाकू व अल्कोहल छोड़कर) शुल्क मुक्त बाजार पहुंच दे रहा है और हाल के वर्षो में दोनों देशों की सरकारों ने मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्र ही मूर्तमान स्वरूप प्रदान करने पर पारस्परिक सहमति भी बनाई है। इससे स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत की आद्यथक संलग्नता को चीन स्वीकार नहीं कर पा रहा है। कुछ दिनों पहले चीन ने अपने फायदे के लिए वन बेल्ट रोड पहल से दुनिया भर के देशों के साथ गुटबाजी की है। चीन ने नेपाल के सामने यह प्रस्ताव भी रखा कि वह अपने स्कूलों में चीनी मंदारिन भाषा पढ़ाना अनिवार्य बना दे और इसे पढ़ाने वाले शिक्षकों को वेतन चीन देगा। ऐसे में यह कयास लगाना स्वाभाविक है कि कहीं चीन की मंशा नेपाल और बांग्लादेश जैसे राष्ट्रों को दूसरा पाकिस्तान तो बनाने की नहीं है। एलायंस, नेटवर्क, ग्रिड बनाना गलत नहीं है, पर चीन का मकसद गलत है। भारत ने बांग्लादेश के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों में व्यापारिक संबंधों को विशेष तरजीह दी है और चीन को प्रतिसंतुलित करने के लिए ऐसा करना जरूरी भी है। भारत ने बांग्लादेश के साथ संबंधों को ऊंचाई देने के लिए जिन मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया है उनमें वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि, बांग्लादेश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि, विकासात्मक साडोदारी को मजबूती देना, ऊर्जा परियोजनाओं पर जोर देना शामिल हैं। दक्षिण एशिया में भारत बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साडोदार है। वर्ष 2018-2019 में भारत का बांग्लादेश में निर्यात 9.21 बिलियन डॉलर, जबकि आयात 1.22 बिलियन डॉलर था। 2018 में बांग्लादेश में भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 570 मिलियन डॉलर हो गया। दोनों देश एशिया पैसिफिक ट्रेड एग्रीमेंट के सदस्य हैं और साफ्टा के तहत भी आद्यथक सहयोग कर रहे हैं। दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर भी विचार कर रहे हैं। भारत और बांग्लादेश में द्विपक्षीय स्तर पर कई ऊर्जा परियोजनाओं को भी चलाया जा रहा है जो आर्थिक के साथ ही सामरिक महत्व के भी हैं। भारत के एनटीपीसी के सहयोग से बांग्लादेश में मैत्री सुपर थर्मल पावर प्लांट लगाया गया है। इसे बांग्लादेश-इंडिया फ्रेंडशिप पावर कंपनी के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित किया गया है। यह तापीय विद्युत स्टेशन बांग्लादेश के खुलना क्षेत्र में लगाया गया है। इसके साथ 1,320 मेगावॉट का रामपाल कोयला चालित विद्युत स्टेशन भी बांग्लादेश में दोनों देशों के संयुक्त उपक्रम के रूप में विकसित किया जा रहा है। 2018 में भारत बांग्लादेश मित्रता पाइपलाइन और ढाका टोंगी रेल परियोजना का शिलान्यास दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने किया। भारत बांग्लादेश मित्रता पाइपलाइन 136 किमी लंबी है जिसमें 130 किमी बांग्लादेश के क्षेत्र में और छह किमी भारत में है। इसके तहत पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से डीजल की आपूद्गत उत्तरी बांग्लादेश के पार्वतीपुर और दिनाजपुर जिलों को की जाएगी। इस पाइपलाइन के जरिये पहले वर्ष भारत ढाई लाख टन तेल की आपूद्गत बांग्लादेश को करेगा और इसके पूर्ण रूप से निद्गमत हो जाने पर प्रति वर्ष चार लाख टन तेल की आपूद्गत बांग्लादेश को की जाएगी। असम के नुमालीगढ़ के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने के चलते बांग्लादेश और उत्तर पूर्वी भारतीय राज्यों में विकास परियोजनाओं की प्रत्येक संभावना को खोजने का प्रयास भारत सरकार द्वारा किया गया है। बांग्लादेश ने 2021 तक इलेक्टिसिटी फॉर ऑल का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है जिसे पूरा करने में उसे भारत से लगातार मदद मिल रही है। बांग्लादेश की ऊर्जा सुरक्षा में भारत प्रभावी भूमिका निभा सकता है। यह काम शुरू भी हो चुका है। सीमा पार ऊर्जा व्यापार भारत की विदेश नीति के लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में उभरा है।

समय आ गया है कि भोजन की बर्बादी को लेकर सख्त कानून बनने चाहिए

कोरोना के वैश्विक संकट के दौर में दुनिया के कई प्रमुख व विकसित देशों ने इस विषम परिस्थिति में अपने देश की स्थितियों का बहुत गहराई से मूल्यांकन किया है। मानवता के अस्तित्व के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारक भोजन पर इस महामारी का क्या असर पड़ रहा है, इसे भी जानने की कोशिश की जा रही है। पश्चिम और मध्य अफ्रीका समेत दक्षिण एशिया के अनेक देशों में सामान्य नागरिक को भोजन के लिए संघर्ष करना पड़ता है। भारत और पाकिस्तान जैसे राष्ट्रों में भी बड़ी विस्मय परिस्थिति है। संपन्नता और गरीबी की बहुत गहरी खाई है। इसका मूल्यांकन आवश्यक है। वैसे भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान आदि देशों में सामाजिक चेतना से बहुत बड़ा बदलाव लाया जा सकता है। भुखमरी व कुपोषण से निपटने के लिए अब सख्त

कानूनों को बनाने की आवश्यकता है। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि एक तरफ तो एक थाली में कई सारे व्यंजन हों और दूसरी तरफ सूखी रोटी भी नसीब नहीं हो। विश्व भूख सूचकांक के अनुसार भूख और कुपोषण के मामले में भारत विश्व में 102वें स्थान पर है। यह भारतीय जीवन जीने के व्यवहार पर प्रश्न खड़ा करता है। दरअसल उत्तर और मध्य भारत में वैवाहिक कार्यक्रमों में सौ से भी अधिक व्यंजन बनाए जाते हैं। इनमें 40 प्रतिशत तक भोजन बर्बाद होता है। भारत में अन्न के खेत से पेट तक के सफर में बहुत अधिक नुकसान होता है जो देश के लिए एक गंभीर समस्या बन गई है। भुखमरी का प्रमुख कारण यही है। पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर बिहार में मृत्यु भोज एक बहुत बड़ा अनुष्ठान होता है। यह करना भी चाहिए, लेकिन उन स्थितियों में नहीं, जहां कई बार देखने में आता है कि कर्ज लेकर लोग पितरों के लिए भोज कराते हैं और उसमें भी लगभग 30 प्रतिशत तक भोजन बर्बाद हो जाता है। भारत भोजन बर्बादी में विश्व चैंपियन बना हुआ है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शुक्रवार
26 जून, 2020

महाराष्ट्र में 28 जून से खुल सकते हैं सैलून और जिम, शेविंग की नहीं होगी परमिशन

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस के कारण मुंबई में बंद किए गए जिम और सलून को फिर से खोलने को लेकर महाराष्ट्र सरकार विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार ने जिम और सलून खोलने को लेकर एक्सपर्ट्स की राय मांगी है। आने वाले समय में कोरोना को लेकर बनाई गई गाइडलाइन का पालन करते हुए जिम/सलून खोलने पर फैसला लिया जा सकता है। वहीं मंत्री विजय वाडेतीवार ने 28 जून से जिम और सलून शुरू होने के संकेत दिए हैं। दरअसल महाराष्ट्र में काफी समय से जिम और सैलून खोले जाने को लेकर के लोग मांग कर रहे थे, हालांकि कोरोना की वजह से लगातार राज्य सरकार मांग को पूरा नहीं कर पा रही थी। अब यह फैसला किया गया है कि महाराष्ट्र में जिम और सैलून को खोला जाएगा। लेकिन उनके लिए गाइडलाइंस तैयार की जाएंगी जिन्हें एक-दो दिन में जारी किया जाएगा। उसके बाद में ही कुछ नियम और शर्तों के साथ लोग जिम और सैलून को दोबारा महाराष्ट्र में खोले जाएंगे।

मास्क लगाना होगा अनिवार्य

सरकार के आदेश के मुताबिक हेयरकट करने और करवाने वाले दोनों ही लोगों को मास्क पहनना जरूरी होगा। सैलून में सिर्फ हेयरकट कराने की

इजाजत दी है।सैलून में शेविंग कराने की इजाजत नहीं दी है। इसके लिए जल्द ही गाइडलाइंस जारी की जाएगी। ग्राहक और दुकानदार दोनों को मास्क लगाना होगा। वहीं सलून में ए.सी का इस्तेमाल नहीं किया जा सकेगा।

लोगों की मांग पर सरकार ने लिया फैसला

सूबे में जब से अनलॉक शुरू हुआ है तब से जिम और सैलून चलाने वाले लोगों की फिर इन्हें चालू करने की इजाजत मांगी जा रही थी। इस विषय पर राज्य कैबिनेट ने आज ये तय किया है कि अब इन्हें खोलने की इजाजत दी जाएगी।

कुछ लोगों ने सुसाइड भी किया था

महाराष्ट्र के कैबिनेट मिनिस्टर और मुंबई के गार्डन मिनिस्टर असलम शेख ने यह बताया कि लॉकडाउन के दौरान कुछ सलून चलाने वाले लोगों ने आत्महत्या की थी। ऐसे में राज्य भर से लगातार जिम और सैलून को खोलने की डिमांड आ रही थी और इसी चीज को ध्यान में रखते हुए अनलॉक-1 में धीरे-धीरे उद्योग धंधों और छोटे उद्योगों को खोलने की इजाजत दी जा रही है उसी प्रयास में हमने जिम और सैलून को भी इजाजत दी है और एक-दो दिन में हम नियम और शर्तें भी बताएंगे।

महाराष्ट्र में 1 लाख 43 हजार के करीब केस: महाराष्ट्र में बुधवार को कोविड-19 के 3,890 नये मामले सामने आये थे जिससे राज्य में इसके कुल मामले बढ़कर 1,42,900 हो गए। अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस से 208 लोगों की मौत होने से राज्य में मृतक संख्या बढ़कर 6,739 हो गई। अधिकारी ने कहा कि इन 208 मरीजों में से 72 की मौत पिछले 48 घंटे में हुई जबकि बाकी 136 की मौत उससे पहले हुई थी लेकिन पूर्व में उनकी मौत का कारण कोविड-19 के रूप में उल्लेखित नहीं था।

कोरोना वायरस ने मुंबई के डब्बावाला की जान ली

संवाददाता

मुंबई। कोरोना वायरस के कारण मुंबई में 39 वर्षीय डब्बावाला की मौत हो गई। मुंबई डब्बावाला एसोसिएशन के प्रमुख सुभाष तालेकर ने बृहस्पतिवार को बताया कि उन्होंने बुधवार शाम को संक्रमण के कारण मुंबई के नायर अस्पताल में दम तोड़ा। उन्होंने ने बताया, वह मलाड के रहने वाले थे, जहां कोरोना वायरस के मामले तेजी से बढ़े हैं। उनके परिवार में पत्नी और पांच साल का बेटा है। तालेकर ने कहा कि उनकी पत्नी फिलहाल पृथक-वास में हैं। कोरोना वायरस के कारण लागू किए गए लॉकडाउन की वजह से शहर को डब्बावालों का व्यवसाय बुरी तरह से प्रभावित हुआ है, क्योंकि वे रोजाना लाखों ग्राहकों पर निर्भर करते हैं। उन्होंने कहा कि चार महीनों से डब्बावाले आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। उनके पास गुजर-बसर करने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। तालेकर ने कहा, मैं सरकार से इस समुदाय की मदद करने का आग्रह करता हूं।

सीबीआई ने यस बैंक फाउंडर राणा कपूर और वधावन ब्रदर्स के खिलाफ दायर की चार्जशीट

मुंबई। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मुंबई की एक अदालत में यस बैंक के संस्थापक राणा कपूर, डीएचएफएल के सह-संस्थापक कपिल और धीरज वधावन के खिलाफ गुरुवार को एक चार्जशीट फाइल की है। सीबीआई के मुताबिक, डीएचएफएल डिबेंचर में यस बैंक के निवेश के बदले राणा कपूर और उनके परिवार के सदस्यों के नियंत्रण वाली कंपनियों को अनुचित लाभ मिला। सीबीआई ने आरोप लगाया कि घोटाला अप्रैल से जून 2018 के बीच हुआ, जब यस बैंक ने डीएचएफएल के अल्पावधि डिबेंचर में 3,700 करोड़ रुपये का निवेश किया। एजेंसी ने कहा कि इसके बदले में वधावन ने कथित तौर पर राणा

कपूर की पत्नी और बेटियों के स्वामित्व वाली डीओआईटी अर्बन वेंचर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी कर्ज के रूप में छह सौ करोड़ रुपये की रिश्वत दी। राणा कपूर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला DHFL से जुड़ा है। बैंक ने दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड को जो कर्ज दिया था, वह बाद में एनपीए घोषित हो गया। राणा कपूर पर आरोप है कि उन्होंने कुछ कॉर्पोरेट को नियम के खिलाफ जाकर कमजोर आधार पर भी लोन दिया था। इसके बदले उनकी पत्नी के अकाउंट में रिश्वत की राशि ट्रांसफर की गई। अन्य कथित अनियमितताएं भी एजेंसी की जांच दायरे में हैं, जिसमें एक मामला उत्तर प्रदेश बिजली निगम में कथित पीएफ धोखाधड़ी से संबंधित है। सीबीआई ने हाल में उत्तर प्रदेश में 2,267 करोड़ रुपये के कर्मचारी भविष्य निधि घोटाले की जांच शुरू की है, जहां बिजली क्षेत्र के कर्मचारियों की मेहनत की कमाई को दीवान हाउसिंग फाइनैंस लिमिटेड (डीएचएफएल) में निवेश किया गया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 83 लोगों की मौत

पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से कई लोगों के निधन का समाचार मिला, उनके परिजनों के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। बिहार में 8 जिले ऐसे हैं जहां पर कम से कम 5 लोगों की मौत हुई है। ये जिले हैं गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, सिवान, बांका, दरभंगा, भागलपुर के अलावा मधुबनी और नबादा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी इस घटना को लेकर अपनी संवेदना जाहिर की है। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है कि पीड़ित परिवारों की हरसंभव मदद करें। इस बीच मौसम विभाग ने बिहार के लिए 72 घंटे का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग में बिहार में अगले 72 घंटे में भारी बारिश होने को लेकर आज गुरुवार को अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग की ओर से जारी इस अलर्ट में पूरे प्रदेश में अत्यंत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इस बीच दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में बुधवार को मॉनसून ने दस्तक दे दी, जिसकी वजह से वहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई। आज गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर के कुछ इलाकों में आंधी आने के साथ-साथ बारिश भी हुई। सिर्फ बिहार ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश में भी आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 9 लोगों की मौत हो गई है। देवरिया में आकाशीय बिजली गिरने से उसकी चपेट में आने से 7 लोगों की मौत हो गई और आधा दर्जन लोग झुलस गए। जबकि बाराबंकी में आकाशीय बिजली गिरने से 2 की मौत हो गई जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

एक और सुसाइड

इस खबर से उनके प्रशंसक काफी हैरान हैं। हालांकि अभी सुसाइड की वजह सामने नहीं आई है। जानकारी के मुताबिक बीती रात एक गाने को लेकर सिया की बात अपने मैनेजर अर्जुन सरीन से हुई थी। सिया के सुसाइड की खबर सुनकर अर्जुन भी हैरान हैं। अर्जुन ने बताया कि सिया ठीक थीं और परेशान भी नहीं लग रही थीं। उन्हें ये समझ नहीं आ रहा है कि सिया ने ये कदम क्यों उठाया। बता दें कि सिया टिकटॉक पर भी खूब पॉपुलर थीं। सिया ने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी में अपनी डांस वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वो पंजाबी गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। दरअसल सिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर जो वीडियो शेयर किया उसे उन्होंने कुछ दिन पहले इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया था। जो उनका आखरी पोस्ट भी है। बता दें कि इंस्टाग्राम पर सिया के बहुत फॉलोअर्स हैं। सिया के सुसाइड कर लेने के बाद से उनके प्रशंसकों के बीच हड़कंप मचा है। हर शख्स के मन में बस एक ही सवाल चल रहा है कि सिया ने आखिर सुसाइड क्यों की। सभी इंस्टाग्राम पर उनकी आत्मा की शांति के लिए दुआ कर रहे हैं और इस 16 वर्षीय राइजिंग स्टार के चले जाने से मायूस भी हैं।

पतंजलि की कोरोना दवा पर भरोसा नहीं

राजस्थान के बाद महाराष्ट्र सरकार ने....

बाबा रामदेव की दवा पर पाबंदी लगाई

...कहा- राज्य में नकली दवा बिकने नहीं देंगे

मुंबई। बाबा रामदेव की दवा कोरोनिल टैबलेट पर महाराष्ट्र सरकार ने भी प्रतिबंध लगा दिया है। इससे पहले राजस्थान सरकार ने भी इस पर रोक लगाई थी। महाराष्ट्र सरकार के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि कोरोनिल के क्लीनिकल ट्रायल के बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। ऐसे में महाराष्ट्र में दवा की बिक्री पर पाबंदी रहेगी। इससे पहले मंगलवार को डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा था कि जिसे विश्वास हो वही, इस दवा का सेवन करे। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने गुरुवार को ट्विटर लिखा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, जयपुर यह पता लगाएगा कि क्या पतंजलि के 'कोरोनिल' का क्लीनिकल ट्रायल किया गया था? हम बाबा रामदेव को चेतावनी देते हैं कि हमारी सरकार महाराष्ट्र में नकली दवाओं की बिक्री की अनुमति नहीं देगी।

आयुष मंत्रालय ने भी विज्ञापन पर लगाई है रोक: पतंजलि आयुर्वेद की कोरोना दवा पर आयुष मंत्री श्रीपद नाइक ने बुधवार को कहा कि यह अच्छी बात है कि योग गुरु बाबा रामदेव ने देश को नई दवा दी है। नियम के अनुसार, दवा को पहले आयुष मंत्रालय में जांच के लिए देना होगा। दरअसल, रामदेव ने मंगलवार को कोरोना की दवा बनाने का दावा किया था। कोरोनिल और श्वसारि नाम की दवा लॉन्च करते हुए रामदेव ने कहा था कि इनसे सिर्फ 7 दिन में मरीज 100% ठीक हो जाएंगे। सरकार ने दवा की लॉन्चिंग के पांच घंटे बाद विज्ञापन पर रोक लगा दी।

सरकार ने कहा- नहीं हुई है दवा की वैज्ञानिक जांच: सरकार ने कहा कि दवा की वैज्ञानिक जांच नहीं हुई है। आयुष मंत्रालय ने दवा के लाइसेंस समेत दवा में इस्तेमाल सामग्री, दवा पर रिसर्च की जगहों, अस्पतालों, प्रोटोकॉल, सैंपल का आकार, इंस्टीट्यूशनल एथिक्स कमेटी क्लीयरेंस, क्लीनिकल ट्रायल रजिस्ट्रेशन और ट्रायल के परिणाम का डेटा मांगा। पतंजलि ने मंगलवार देर शाम आयुष मंत्रालय को 11 पन्ने का जवाब भेज दिया। उधर, उत्तराखंड आयुर्वेद डिपार्टमेंट के लाइसेंस ऑफिसर ने बुधवार को कहा कि पतंजलि की एप्लीकेशन के अनुसार, हमने उन्हें लाइसेंस दिया था। इसमें उन्होंने कोरोनावायरस का का जिक्र नहीं किया। हमने उन्हें इम्युनिटी बूस्टर, खांसी और बुखार के लिए लाइसेंस की मंजूरी दी थी। हम उन्हें नोटिस जारी कर पूछेंगे कि उन्होंने कोविड-19 की किट के लिए मंजूरी कहां से ली है।

रामदेव ने कहा था- पूरा ट्रायल किया: रामदेव ने बताया था कि कोरोनिल और श्वसारि ने कोरोना ट्रायल में 100% सही नतीजे दिए। पतंजलि रिसर्च सेंटर और जयपुर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ने सभी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्लीनिकल ट्रायल किया। ट्रायल में 3 दिन में 69% मरीज ठीक हुए, जबकि 7 दिन में 100% ठीक हो गए। आईसीएमआर से मंजूरी का सवाल टाल दिया। रामदेव ने कहा था कि गंभीर मरीज ट्रायल में शामिल नहीं थे। उन पर अगले चरण में परीक्षण किया जाएगा।

रिसर्च के लिए सरकार के मानक तय, इनका पालन जरूरी है

➔ केंद्र ने पतंजलि आयुर्वेद से कहा कि आयुर्वेदिक दवाओं समेत सभी दवाओं का प्रचार ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट-1954 और कोविड-19 महामारी के मद्देनजर केंद्र सरकार द्वारा जारी नियमों और निदेशों के अनुसार लागू होता है।

➔ आयुष मंत्रालय ने 21 अप्रैल को जारी नोटिफिक्केशन में कोविड-19 पर किए जाने वाले शोध की जरूरतों और तरीकों के बारे में बताया था। यह नोटिफिक्केशन कंपनियों को सरकारी मंजूरी के बिना इलाज के दावे करने से रोकता है।

6000 कर्मचारियों की छंटनी करेगी

एयरलाइन

संवाददाता

नई दिल्ली। कोरोना संकट काल में एयरलाइन सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यही वजह है कि दुनियाभर की एयरलाइन कंपनियों में कॉस्ट कटिंग या छंटनी की खबरें आ रही हैं। ताजा मामला ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज एयरलाइन क्वांटास का है। खबर के मुताबिक इस एयरलाइन ने 6,000 नौकरियों की कटौती की योजना बनाई है। इसके अलावा क्वांटास ने अपने 15,000 कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजने का फैसला लिया है। इसके अलावा क्वांटास एयरलाइन का इरादा अपने 100 विमानों को एक साल या उससे अधिक समय तक खड़ा करने का है। कंपनी अपने छह शेष बोइंग 747 विमानों को भी तत्काल हटाने जा रही है। वहीं, क्वांटास ने अपनी लागत में अरबों डॉलर की कटौती करने और नई पूंजी जुटाने की घोषणा भी की है।

सालभर खड़े रहेंगे 100 विमान

बोइंग ने भी किया था ऐलान

बीते दिनों बोइंग ने 12 हजार से अधिक लोगों की छंटनी का ऐलान किया था। विमान बनाने वाली अमेरिकी कंपनी बोइंग ने ये भी संकेत दिए थे कि आगे और लोगों को भी नौकरी से निकाल सकती है। बता दें कि बोइंग के कुल कर्मचारियों की संख्या करीब 1,60,000 है। कोरोना की वजह से एविएशन सेक्टर की ये सबसे बड़ी छंटनी मानी जा रही है।

क्या कहा कंपनी के सीईओ ने?

एयरलाइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलन जॉयसी ने कहा कि पिछले कुछ साल से कम आमदनी की वजह से अब एयरलाइन काफी ह्यछोटीह्न हो गई है। उन्होंने कहा कि जिन कर्मचारियों को अवकाश पर भेजा गया है उनके करियर में एक बड़ी बाधा आ गई है। हम जो कदम उठा रहे हैं, उनसे हमारे हजारों लोग प्रभावित होंगे। बता दें कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से दुनियाभर की एयरलाइन सेक्टर की कंपनियों का परिचालन लगभग 'ठप' है।

क्वांटास ने अपनी लागत में अरबों डॉलर की कटौती करने और नई पूंजी जुटाने की घोषणा भी की है

उद्धव सरकार का फैसला- मेडिकल एग्जामिनेशन की तारीख 45 दिन पहले होगी घोषित

मुंबई। कोरोना संकट की घड़ी में काफी दिनों से डॉक्टरों और रेजीडेंट डॉक्टर्स परीक्षा की तारीखें बढ़ाने की मांग कर रहे थे। अब उद्धव ठाकरे सरकार ने उनके लिए राहत भरी खबर दी है। डॉक्टर चाहते थे कि इम्तिहान को आगे बढ़ाया जाए या फिर उसे रद्द किया जाए। अब महाराष्ट्र सरकार ने फैसला लिया है कि परीक्षा की तारीखों की जानकारी 45 दिन पहले दी जाएगी। तमाम रेजीडेंट डॉक्टर्स और पोस्ट ग्रैजुएट कोर्सेज के डॉक्टरों के लिए ये गुड न्यूज है। महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज ने 16 जुलाई को इस साल के मेडिकल छात्रों की ग्रीष्मकालीन अंतिम वर्ष की परीक्षाओं के लिए अस्थायी समय सारिणी की घोषणा की थी। इसका मेडिकल छात्र लगातार विरोध कर रहे थे। अब इस समस्या

का हल सरकार ने निकाल लिया है और परीक्षा की जानकारी 45 दिन पहले ही देने का फैसला किया है। इससे छात्रों को पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। मेडिकल एजुकेशन मंत्री अमित विलासराव देशमुख ने मुख्यमंत्री के साथ चर्चा के बाद ये फैसला लिया है। भारतीय चिकित्सा विज्ञान परिषद के दिशा-निर्देशों और सुझावों के साथ ही महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान के विशेषज्ञों के सलाह को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। छात्रों को भविष्य में कोई परेशानी ना हो इसके लिए सभी बातों का ध्यान रखते हुए परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल साइंसेज ने कोविड -19 से पैदा हुई स्थिति में परीक्षा नहीं कराने के मुद्दे पर सवाल खड़े किए थे। इस संबंध में मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रधानमंत्री को एक पत्र भी लिखा था। अब जल्द ही सरकार परीक्षा की तारीखों से संबंधित सूचना की जानकारी देगी।

आशा कर्मियों के लिए अच्छी खबर

बढ़ सकता है वेतन

मुंबई। कोविड-19 संकट के दौरान कड़ी मेहनत करने वाली महाराष्ट्र की आशा कर्मियों के लिए अच्छी खबर है। राज्य की उद्धव ठाकरे सरकार प्रोत्साहन के रूप में 'आशा' के 65,000 कर्मियों का मासिक वेतन 2,000 रुपये बढ़ा सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) कर्मियों को अभी 10,000 रुपये प्रति माह वेतन मिलता है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याणा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने उनकी वेतन वृद्धि के प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया है, जिस पर मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा की जाएगी। अगर प्रस्ताव पारित हो गया तो आशा कर्मियों के मासिक वेतन में दो हजार रुपये की वृद्धि होगी। कोविड-19 संकट के दौरान आशा कर्मियों को शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी का काम सौंपा गया है। राज्य सरकार अब उन्हें उनके काम के लिए प्रोत्साहन देने की योजना बना रही है। इस बीच बुधवार को मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या 69,625 हो गई। वहीं 38 लोगों की मौत के बाद कुल मृतकों की संख्या 3,962 पहुंच गई है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के अनुसार बुधवार को 2,434 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिली है, जो कि जून में एक दिन में स्वस्थ होने वाली दूसरी बड़ी संख्या है। स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या अब 37,010 हो गई है। बीएमसी के अनुसार शहर में कोविड-19 के 28,653 मरीजों का उपचार चल रहा है, वहीं 847 नए संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। महानगरपालिका ने दावा किया है कि शहर में लोगों के स्वस्थ होने की दर 53 फीसदी है। वहीं, मामले दोगुने होने के समय में सुधार होकर अब यह 39 दिन हो गया है।

कोविड-19 के त्वरित नतीजों के लिए एंटीजेन जांच कराएगी महाराष्ट्र सरकार: टोपे

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य सरकार एंटीजेन जांच करवाएगी जिससे चौबीस घंटे की बजाय एक घंटे में ही कोविड-19 जांच के नतीजे मिल जाएंगे। टोपे ने संवाददाताओं से कहा कि राज्य में जल्द ही एक लाख एंटीजेन जांच उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा, खरीदारी के आदेश दे दिए गए हैं। अग्रिम मोर्चे पर कोविड-19 से मुकाबला कर रहे आवश्यक सेवा कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, पुलिस और अन्य लोगों की जांच को प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य सरकार ने रैपिड एंटीबाडी जांच कराने का भी निर्णय किया है जिसके उपकरण दक्षिण कोरियाई कंपनी द्वारा मुहैया कराए जा रहे हैं। टोपे ने कहा, इससे यह जानने में आसानी होगी कि कोई व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित है या नहीं।

मनरेगा में लाखों रुपये की फर्जी निकासी पर एफआईआर दर्ज कर दोषी को जेल में बंद करें विभाग अन्यथा आंदोलनः सुरेन्द्र

संवाददाता

ताजपुर, समस्तीपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उद्घाटित प्रखंड के रामापुर महेशपुर पंचायत स्थित जल जीवन हरियाली पोखर के सौन्दर्यीकरण के नाम पर पंचायत समिति के योजना में करीब 54 लाख रुपये की फर्जी निकासी कार्यालय के कर्मी द्वारा किये जाने का मामला प्रकाश में आया है। उक्त पोखर के सौंदर्यीकरण के लिए लगभग 3 करोड़ की लागत से दो दर्जन योजना चलाया गया था। इसमें पंचायत समिति के योजना में गलत योजना को इंट्री करके राशि निकासी किये जाने का मामला सामने आया है। एक ही जगह पर नाम बदल कर एक योजना के जगह पर 6 योजना को इंट्री कर लाखों रुपये का निकासी किया गया ह। 12 लाख रुपये की लागत से पोखर के भिंडा का सौन्दर्यीकरण का कार्य कराया गया। दूसरा कार्य उसी जगह पर पोखर के चारो भिंडा का समतलीकरण कार्य 10 लाख रुपये की लागत से कराया गया। वहीं तीसरा कार्य पोखर के चारों भिंडा पर वृक्षारोपण के लिए मिट्टीकरण का कार्य 6 लाख रुपये से कराया गया। चौथा कार्य 26 लाख रुपये की लागत

से पोखर उड़ाही कार्य कराया गया। इस काम को मजदूर से कराया जाना था लेकिन मनरेगा कर्मियों के सामने एक दिन में ही जेसीबी से कराकर योजना को पूरा कर दिया गया। पोखर से निकले सारे मिट्टी पोखर के भिंडा पर डाल दिया गया। उसी भिंडा पर आधे दर्जन काम नाम बदलकर कुल करीब 54 लाख रू० फर्जी तरीके से निकालकर कर्मी, अधिकारी,जेई आदि के बीच बंदरबांट कर लिया गया। आश्चर्य की बात है कि पंचायत समिति के इस योजना को पंचायत समिति सदस्य से बिना आदेश फलक लिए योजना चला दिया गया एवं इसे शुरू करने से पहले समिति सदस्य को जानकारी देना तक मुनासिब नहीं समझा गया। मनरेगा एक्ट के तहत इन सभी योजनाओं को जॉब कार्डधारी मजदूरों से कराने का प्रावधान है लेकिन पोखर का सभी कार्य मजदूरों से कम जेसीबी, ट्रेक्टर आदि मशीन से ज्यादा कराया गया। पोखर के सभी कार्य को मात्र एक माह के अंदर पूर्ण कर दिया गया। इसका उद्घाटन 13 दिसंबर 2019 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा किया गया था। बिचौलिया एवं मनरेगा कर्मियों के द्वारा कागज पर आज तक अपने चहेते जॉबकार्डधारियों के नाम पर नाजायज राशि का निकासी किया जा रहा है। पंचायत समिति सदस्य राम किशोर शुक्ला के अनुसार पोखर सौन्दर्यीकरण के लिए चलाए गये योजना के लिए उनसे आदेश तक नहीं लिया गया था। भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेन्द्र प्रसाद सिंह ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र देकर उक्त तमाम योजनाओं की जांच स्वयं जिलाधिकारी के नेतृत्व में करने एवं दोषियों पर एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने अन्यथा आंदोलन चलाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि इस संबंध में जिलाधिकारी से समय लेकर प्रतिनिधिमण्डल उनसे मिलकर विस्तारपूर्वक जानकारी देकर ठोस कारबाई की मांग करेगी ताकि भविष्य में मजदूरों के इस योजना को लूटने वालों को सबक मिल सके।

इनौस कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के कानपुर शेल्टर होम में लड़कियों पर हुई दरिंदगी के खिलाफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फूंका पूतला

सभी शेल्टर होम की हो न्यायिक जांच और दोषियों को सजा हो : राम कुमार

संवाददाता

समस्तीपुर। ताजपुर प्रखंड के कस्बे आहर पंचायत अवस्थित अस्पताल चौक पर इंकलाबी नौजवान सभा प्रखंड कमिटी ताजपुर के बैनर तले उत्तर प्रदेश के कानपुर शेल्टर होम में लड़कियों के साथ हुई दरिंदगी के खिलाफ इंकलाबी नौजवान सभा इनौस के कार्यकर्ताओं ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का

आकर्षक पूतला के साथ प्रतिवाद मार्च निकाला जो सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता इनौस प्रखंड उपाध्यक्ष मो0 एजाज ने की। तब्दील सभा को संबोधित इनौस जिला अध्यक्ष सह राज्य उपाध्यक्ष राम कुमार इनौस जिला सह सचिव कृष्ण कुमार, मो० अरशद कमाल बबलू, मुन्ना भाई, इरशाद, मनोज कुमार, मो० सादिक राजू, मो० चाँद, मो० मुजफ्फर इमाम, बिरजू कुमार सहित अन्य दर्जनों इनौस नेता कार्यकर्ता ने संबोधित करते हुए कहा कि नैतिकता के आधार पर सबसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अबिलंब इस्तीफा दे देना चाहिए तथा सभी शेल्टर होम में हुई दरिंदगी का न्यायिक जांच कराकर दोषी को सजा देना चाहिए।

सहारनपुर हलचल

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा होने पर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

सहारनपुर। तेल और डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए सरकार से मांग की कि वह कीमतों को कम करें क्योंकि इससे गरीबों से लेकर किसानों तक को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेसियों ने एक कार को रस्सी से बांधकर खींचा और यह जताया कि यदि इसी तरह से डीजल और पेट्रोल के दामों में बढ़ोतरी होती रही तो वह दिन दूर नहीं कि जब लोग अपने वाहनों को इसी तरह खींचने पर मजबूर होंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष चौधरी

मुजफ्फर अली विधायक नरेश सैनी और विधायक मसूद अख्तर ने कहा कि केंद्र सरकार तरक्की और खुशहाली के नाम पर जनता को सिर्फ बहकाने और बहलाने का काम कर रही है। जनता को अच्छे दिनों का ख्वाब दिखाकर गुमराह किया गया है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी करके सरकार ने जता दिया है कि वह गरीबों का कोई ध्यान नहीं रखती वह सिर्फ पूंजीपतियों के हाथों की कठपुतली बन चुकी है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता जावेद साबरी ने भी इस दौरान पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाए जाने पर नाराजगी जताई। कांग्रेसी नेता वरुण शर्मा और शशि वालिया ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आज जनता को तमाम तरह की समस्याओं से रूबरू होना पड़ रहा है लेकिन सरकार जनता की समस्याओं की अनदेखी करने में लगी हुई है। कांग्रेसियों ने एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। इस दौरान काफी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समस्तीपुर हलचल

दिलीप कुमार ने पदभार ग्रहण किया

समस्तीपुर। खानपुर के नये थानाध्यक्ष दिलीप कुमार भारती को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद मिथिला परंपरा के अनुसार पाग,चादर, माला, व छायादार भेंट कर हरित बधाई व शुभकामनाएं दिए। इतना ही नही समजसेवीओ ने संयुक्त रूप से थाना परिसर में वृक्षारोपण किए। थाना अध्यक्ष ने बताया कि क्षेत्र में हो रहे अवैध शराब का धंधा तथा अपराध पर अंकुश लगाने का काम करूँगा इसके लिए आम नागरिकों की मदद की आवश्यकता है। आम जनता अगर मुझे सहयोग करे तो मैं विश्वास दिलाता हूं कि आपके क्षेत्र से अपराध मिटा दूंगा।

मुसलाधार बारिश जनजीवन अस्त व्यस्त

सामस्तीपुर। सामस्तीपुर जिले में हुई मुसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त सा हो गया है। गरीबों की रोजी रोटी पर दोतरफा मार पर गई। एक तरफ प्रकृति का प्रकोप जारी है तो दूसरी तरफ लॉकडाउन का कहर। वहीं नगर परिषद क्षेत्र में नाले की साफ-सफाई नहीं हो पाने के कारण गली मुहल्ले की सड़कों पर नाले की गंदा पानी का बहाव हो रहा है। काशीपुर के वीर कुवंर सिंह कॉलोनी, धरमपुर, पंजाबी कॉलोनी, बी एड कॉलेज रोड, आर ए एन आर कॉलेज रोड, न्यू कॉलोनी धरमपुर, तिरहुत अकादमी सहित विभिन्न क्षेत्रीय इलाकों में बरसात के पानी घुटने से उपर जमा हो गया है। जिसके कारण पैदल राहगीरों को भी चलना मुश्किल हो गया है। नगर परिषद प्रशासन मौन बना हुआ है। अभी तो मानसून शुरू ही हुआ है। जल जमाव कि समस्या नई नहीं है, कई वर्षों से ज्यों का त्यों बनी हुई है।

रामपुर हलचल

जन अधिकार हनन एवं भ्रष्टाचार

टाण्डा (रामपुर)। जन अधिकार हनन एवं भ्रष्टाचार निवारण मंच के मंडल प्रभारी अतीकुर्रेहमान सल्मानी ने कहा कि जनता एवं क्रषक वर्ग लॉकडाउन के चलते परेशान है ऊपर से डीजल एवं पेट्रोल के दामों में जो तेजी की गई हैं उससे अधिक्तर किसान वर्ग को नुक्सान पहुंचा है महंगाई की चरम सीमाओं पर है मजदूर वर्ग के लोग भी परेशान हालात में है सरकार द्वारा ऐसा विधेयक पारित किया जाय जिससे कि शिक्षा, क्रषक, मजदूर तबके को तरह तरह की मेहंगाई भी झेलनी पड़े समस्याओं का समाधान एवं निस्तारण किये जाने को लेकर एक पत्र प्रेषित कर शीर्ध मुख्यमंत्री जी से मांग की गई हैं।

नगर पालिका परिषद द्वारा बनाई गई जगह जगह पार्किंग का नहीं हो रहा प्रयोग

टाण्डा (रामपुर)। नगर पालिका परिषद द्वारा बनाई गई जगह जगह पार्किंग का नहीं हो रहा प्रयोग, दो पहिया एवं चार पहिया वाहन जो वाहन स्वामी सामान आदि खरीदारी के दोरान बनाई गई पार्किंग में अपना वाहन खड़ा न कर दुकानों के सामने ही खड़ा कर देते हैं जबकि लॉकडाउन का पालन कर जिसके चलते वाहनों आदि की भीड़ भाड़ पर नियंत्रण हो सके के इरादे से पार्किंग की व्यवस्था की गई हैं जिसका खुला उल्लंधन किया जा रहा है शासन एवं प्रशासन की सख्ती के चलते भी लोग वाज नही आ पा रहे हैं पिछले सप्ताह उपजिलाधिकारी गौरव कुमार व कोतवाल माधो सिंह बिष्ट व अन्य पुलिस कर्मियों के साथ मुख्य मार्ग का निरीक्षण कर वाहन आदि के खड़े होने का चेकिंग किया गया था जिसमें चार व दो पहिया वाहन दुकानों के सामने खड़े पाए गये थे वाहन स्वामी पार्किंग में अपने वाहनों को खड़ा न कर आज भी दुकानों के सामने ही वाहनों को खड़ा कर रहे हैं निरीक्षण के दोरान कुछ वाहन स्वामियों से जुर्माना भी वसूला गया था कोरोना वायरस बीमारी को नियंत्रण करने के उद्देश्य से काफी प्रयास किये जा रहें हैं जबकि नगर व क्षेत्रवासी अपनी सावधानीयों के चलते विफल साबित होते दिखाई दे रहे हैं खुला उल्लंघन किये जाने के साथ साथ सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क लगाये जाने जैसी लापरवाही आज भी सामने अ रही हैं भारत के अन्दर कोरोना बिमारी का प्रकोप लगातार तेजी के साथ बढ़ता नजर आ रहा हैं यही स्थिति रही तब कोरोना वायरस बिमारी पर नियंत्रण करना बहुत कठिन कार्य साबित होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वजन घटाने के लिए रोजना 10 मिनट करें ये 6 योगासन

आजकल 5 में से 3 लोग मोटापे की समस्या से परेशान हैं। शरीर का वजन बढ़ने से कई सारी बीमारियां लग जाती है। हैल्दी रहने और खुद को फिट दिखाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। मगर उसे भी ज्यादा फायदा नहीं होता। कुछ लोग तो वजन कम करने के लिए दवाइयों का सहारा भी लेते है जो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे में रोज केवल 10 मिनट इन 6 योग आसनों को करके मोटापे की समस्या से निजात पा सकते हैं। तो आइए वह कौन से आसन है जो वजन को कम करता है।

1. भुजंगासन
पेट की चर्बी को कम करने के लिए भुजंगासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने से वजन बहुत जल्दी वजन घटने लगता है। भुजंगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों हाथों को माथे के नीचे टिकाए। दोनों पैरों के पंजों के साथ रखें। फिर अपने माथे को ऊपर ऊठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समान लाएं। ऐसा करने पर शरीर का सारा भार बाजुओं पर पड़ेगा। अब शरीर के अगले भाग को बाजुओं के सहारे ऊपर उठाएं। शरीर को स्ट्रेच करके लंबी सांस लें। कुछ समय तक इस आसन को करें। फिर दोबारा पेट के बल लेट जाएं।

2. हस्तपादासन
हस्तपादासन करने के लिए पैरों को साथ में जोड़े हुए सीधे खड़े हो जाएं। हाथों को शरीर के साथ लगाएं। शरीर के वजन को दोनों पैरों पर सामान रूप से डालें। फिर सांस को बाहर छोड़ते हुए कमर के ऊपरी भाग को धीरे-धीरे सामने की ओर झुकाएं। घुटनों को बिल्कुल सीधा रखें। सांस छोड़ते समय छाती को घुटनों की तरफ ले जाएं। शुरूआत में इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य स्थिति में आकर 5 सेकेण्ड आराम करें और इस आसन को कम से कम 5-6 बार करें।

3. बालासन
मन को शांत करना हो या पेट की चर्बी को कम करना हो दोनों के लिए बालासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं और कमर बिल्कुल सीधी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने की ओर झुकाएं। दोनों हाथ पीछे की ओर रखें और कोशिश करें कि सिर सामने जमीन को छुए। अब जितना हो सके उतनी देर इसी अवस्था में रहने की कोशिश करें। फिर सांस छोड़ते हुए शरीर के ऊपरी भाग को उठाते हुए फिर से वज्रासन की मुद्रा में आ जाएं।

4. पश्चिमोत्तानासन
पश्चिमोत्तानासन करने से भी शरीर का वजन बहुत जल्दी कम होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आप जमीन पर बैठ जाएं। अब आप दोनों पैरों को सामने फैलाएं। पीठ की पेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं। फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुके। आप कोशिश करते हैं अपने हाथ से उंगलियों को पकड़ने का और नाक को घुटने से लगाने का। धीरे धीरे सांस लें, फिर धीरे धीरे सांस छोड़े। इस तरह से आप 3 से 5 चक्र करें।

5. उष्ट्रासन या ऊंट पोज
इस आसन को करने से भी बहुत जल्दी पेट की चर्बी कम होती है। इस आसन मे अपने शरीर को ऊंट की तरह आकार देना होता है। इसको करने के लिए घुटनों के बल खड़े हो जाएं। घुटनों के कमर तक का भाग सीधा रखें और पीठ को पीछे की ओर मोड़कर हाथों को से पैरों की एड़ियों को पकड़ लें। फिर सिर को पीछे की ओर झुका दें। कुछ सेकंड ऐसा रहें। फिर सामान स्थिति में आ जाएं।

6. पद्मासन
पद्मासन करने में जीतना ही आसान होता है। इसके फायदे उतने ही होते है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठकर पैरों को इस तरह आपस में जोड़े की ये नाभि के पास आ जाएं। अब कमर को सीधी करें। मगर ध्यान रहे की दोनों घुटने जमीन से उठने न पाएं। दोनों हाथों की हथेलियों को गोद में रखें।

बढ़ता हुआ मोटापा करना है तेजी से कम तो रोजाना 1 कप पीएं यह चाय

बढ़ा हुआ वजन न सिर्फ पर्सनैलिटी को खराब करता है, बल्कि इससे डायबिटीज, कैंसर और हार्ट डिसीज का खतरा भी बढ़ जाता है। बढ़े हुए वजन को कम करने के साथ-साथ उसे कंट्रोल में रखना भी बहुत जरूरी हैं। ऐसे में आज हम आपको ऊलौंग चाय (Oolong Tea) के बारे में बताएंगे, जिससे आपका वजन तेजी से कम होगा। इतना ही नहीं, पॉलिफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर रोजाना 1 कप इस चाय का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से भी दूर रखेगा।

1. वजन घटाने में मददगार
एक शोध के अनुसार, लगातार 6 हफ्ते तक एक कप ऊलौंग चाय पीने से आपका 8 किलो वजन कम हो जाता है। इस चाय का सेवन कोलेस्ट्रोल को कम करने के साथ-साथ फैट को बर्न करती है।

2. मेटाबॉलिज्म को देता है बढ़ावा
डाइट कंट्रोल और रेग्युलर एक्सरसाइज के बावजूद भी कुछ लोगों का वजन कम नहीं होता है या बहुत धीरे-धीरे कम होता है। दरअसल, यह सब मेटाबॉलिज्म के कारण होता है। मगर इस चाय में पॉलीफिनॉल कंपाउंड होता है, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर चर्बी को कम करके वजन घटाने में मदद करता है।

3. डायटरी फैट को करती है रिड्यूस
यह चाय सिर्फ फैट ही बर्न नहीं करती बल्कि इसका सेवन वसा को अशोषित करने में भी मदद करता है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है। एक शोध में भी पाया गया है कि इस चाय का सेवन आपकी हाई फैट डाइट में से वसा को अशोषित करके वजन को घटाती है।

ये 2 असरदार घरेलू नुस्खे, एक दिन में दूर करेंगे पैरों की ट्रैनिंग!

गर्मियों के मौसम में स्किन का काला पड़ना यानी की टैनिंग होना एक आम बात है। टैनिंग सिर्फ चेहरे, गर्दन या फिर आर्म्स पर ही नहीं होती। तेज धूप का असर पैरों पर भी पड़ता है। इससे पैरों कि स्किन डैड होने लगती है, जिससे यह काले दिखाई देने लगते हैं। इसकी वजह से हम अपनी पसंद के हिसाब से सैंडल या फिर फुटवियर भी नहीं पहन पाते। पेडिक्योर करने से पैरों की रंगत दुबारा वापिस पाई जा सकती है, मगर इतना समय और पैसा किसी के पास कहा कि बार-बार पार्लर जाकर टैनिंग रिमूव करवाई जाए। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी पैरों को खुबसूरत बना सकते हैं।

1. संतरे का छिलका और दूध
संतरे में नेचुलर ब्लीचिंग गुण होते हैं जो पैरों के दाग-धब्बे मिटाने का काम करते हैं। वहीं दूध में लेक्टिक एसिड होता है जिससे डैड स्किन निकल जाती है। ऐसे में इन दोनों का पेस्ट बनाकर लगाने से पैरों की रूखी त्वचा भी मुलायम बन जाएगी।

इस तरह बनाएं पैक
सबसे पहले संतरे के छिलकों को धूप में अच्छे से सूखा लें। फिर इसको मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें। अब इसमें 4 से 5 चम्मच दूध के मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को पैरों पर लगा कर हल्के हाथों से मसाज करें और 20 से 25 मिनट के बाद गर्म पानी से धो लें।

2. नींबू और शहद
नींबू में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं। वहीं शहद पैरों को नर्म बनाने का काम करता है। दोनों को साथ में लगाने से पैरों की टैनिंग दूर होने के साथ ही वह नर्म भी बने रहेंगे।

इस तरह बनाएं पैक
1 चम्मच नींबू के रस में 1 चम्मच शहद मिलाकर मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा मिल्क पाउडर भी मिक्स कर सकते हैं। अब इस पेस्ट को 20 मिनट तक पैरों में लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। इसके साथ घर से बाहर निकलते वक्त सनस्क्रीन जरूर लगा लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

प्रियंका ने बताया-मेरे लिए जगह बनाना मुश्किल था

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा का कहना है कि करियर के शुरूआती दौर उनके लिये काफी कठिन रहे और उन्होंने काफी संघर्ष के बाद अपनी पहचान बनायी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद फिल्म इंडस्ट्री में नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) का मुद्दा एक बार फिर गरम गया है। इंडस्ट्री में नपोटिज्म का मुद्दा वैसे नया नहीं है। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा का एक पुराना वीडियो सामने आया है जिसमें प्रियंका बॉलीवुड और नेपोटिज्म पर खुलकर अपनी राय रख रही हैं। प्रियंका ने कहा कि नेपोटिज्म और बॉलीवुड साथ-साथ चलते हैं। लेकिन पिछले कुछ सालों में ऐसे कलाकार आए हैं जो इसे तोड़ने में सफल रहे हैं। उन कलाकारों ने अपनी अलग पहचान बनाई है। जो मैं भी करने की कोशिश कर रही हूं। बॉलीवुड में एंट्री करने के बाद अपने शुरूआती दिनों को याद करते हुए प्रियंका ने कहा, मेरे लिए ये बहुत कठिन था। मैं यहां किसी को नहीं जानती थी। जब मैंने यहां कदम रखा तब हर कोई यहां एक दूसरे को अच्छा दोस्त था। मैं नेटवर्किंग में ज्यादा अच्छी नहीं थी न ही ज्यादा पार्टीज में जाती थी। मेरे लिए भी थोड़ा मुश्किल था,लेकिन मैंने इस सच्चाई को स्वीकारा कि मुझे इन सब चीजों से डरना नहीं है।

रिया सेन ने बताई वजह, क्यों लेना पड़ा उन्हें बॉलिवुड में काम नहीं करने का फैसला

रिया सेन 'चूड़ी जो खनकी हाथों में...याद पिया की आने लगी हाए भीगी-भीगी रातों में' म्यूजिक वीडियो से मशहूर हुई और दर्शकों के दिलों पर राज करने लगीं। वैसे भी ऐक्टिंग उन्हें विरासत में मिली है, रिया सेन मशहूर बंगाली ऐक्ट्रेस मुनमुन सेन की बेटी हैं। 1991 में आई फिल्म 'विषकन्या' में पूजा बेदी लीड रोल में थीं और इस फिल्म में रिया सेन ने उनके बचपन का किरदार निभाया था। बॉलिवुड में अपने जलवे दिखाने के अलावा रिया सेन ने बंगाली, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषा की फिल्मों के अलावा इंग्लिश मूवी में भी काम किया, लेकिन धीरे-धीरे रिया फिल्मों में कम नजर आने लगी। कमर्शल सक्सेस के साथ ही उन्हें 'बोल्ड' वाला टैग भी मिल गया और इसी बारे में उन्होंने अब बात भी की है। इस वक्त रिया टढ'टी१ पर 'पति पत्नी और वो' में नजर आ रही हैं। रिया ने कहा है कि कई हिट फिल्मों के बाद उन्होंने कुछ ऐसी भी फिल्में कीं, जिसे करने में वह कम्फर्टेबल नहीं थीं और शायद इसलिए लोगों को लगने लगा कि वह खराब ऐक्ट्रेस हैं और इसके लिए वह किसी को ब्लेम भी नहीं कर रहीं। उन्होंने कहा, एक समय में मैंने कई सारी बॉलिवुड फिल्में की थीं, जिसमें सेक्सी दिखने, कपड़े और मेकअप आदि को लेकर मैं फिट नहीं थी। रिया ने कहा कि उन्हें 'सेक्सी' और 'बोल्ड' जैसे लेबल मिले थे और इसके लिए उन्हें बुरा लगता है। उन्होंने कहा, इस तरह के टैग्स से काफी बुरा लगता है। मैं इस टैग्स के साथ जी रही हूं... जब मैं स्कूल में थी तब सेक्सी जैसे वर्ड की शुरूआत हुई थी। हमेशा परफेक्ट दिखने का काफी प्रेशर हुआ करता था।

'आशिकी' ऐक्ट्रेस अनु अग्रवाल ने बताई आपबीती

सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद बॉलिवुड में 'इनसाइडर' और 'आउटसाइडर' की डिबेट तेज हो गई है। इस बीच कई पुराने मामले सामने आ रहे हैं। कई ऐक्टर्स अपने अनुभव बता रहे हैं। अब 1990 में आई फिल्म 'आशिकी' की ऐक्ट्रेस अनु अग्रवाल का कहना है कि वह सुशांत से रिलेट कर सकती हैं। अनु अग्रवाल ने राहुल रॉय के साथ फिल्म 'आशिकी' से डेब्यू किया था। फिल्म की रिलीज के बाद वह स्टार बन गईं। अनु ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आ रहा कि क्या कहा जाए। सफलता के नतीजे उन्हें भी भुगतने पड़े थे। अनु ने बताया कि लोगों की जलन, वो बुरी तरह ट्रीट करना शुरू कर देते हैं। अनु को समझ नहीं आ रहा था कि लोगों को कैसे ट्रीट किया जाए। अनु ने कहा कि वह एक आउटसाइडर की बॉलिवुड जर्नी में सुशांत से राजपूत से रिलेट कर सकती हैं। मैं इंडस्ट्री से बाहर की हूं इसीलिए सुशांत से रिलेट कर सकती हूं।